



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 10]

नई दिल्ली, मई 15—मई 21, 2005, शनिवार/वैशाख 25—वैशाख 31, 1927

No. 10]

NEW DELHI, MAY 15—MAY 21, 2005, SATURDAY/VAISAKHA 25—VAISAKHA 31, 1927

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 मई, 2005

का०नि०आ० 33.—केन्द्रीय सरकार तट रक्षक अधिनियम, 1978 (1978 का 30) की धारा 123 की उप-धारा (2) के खंड (क), खंड (ज), खंड (झ), खंड (ञ) और खंड (ट) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तट रक्षक (अनुशासन) नियम, 1983 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तट रक्षक अनुशासन (संशोधन) नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. तट रक्षक (अनुशासन) नियम, 1983 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) के नियम 2 में खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

(घक) "जिला कमांडर" से महानिदेशक द्वारा नियुक्त जिला कमांडर अभिप्रेत है;

(घख) "अभ्यावेशित अनुचर" से तट रक्षक में इस प्रकार अभ्यावेशित कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;

(घग) "कार्यपालक आफिसर" से अधिनियम की धारा 57 के अधीन विनिर्दिष्ट कोई आफिसर अभिप्रेत है;

(घघ) "क्षेत्रीय कमांडर" से अभिप्रेत है —

(i) कमांडर तट रक्षक क्षेत्र, पश्चिम

(ii) कमांडर तट रक्षक क्षेत्र, पूर्व; और

(iii) कमांडर तट रक्षक क्षेत्र, अंदमान और निकोबार द्वीप समूह;

3. मूल नियमों के नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“4. परिशिष्टों में प्ररूप.—(1) इन नियमों के परिशिष्टों में दिए गए प्ररूप ऐसे रूप भेदों के साथ, जो प्रत्येक मामले की परिस्थितियों में अपेक्षित हों, उनमें उल्लिखित संबंधित प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त किए जा सकेंगे और, यदि प्रयुक्त किए जाते हैं तो पर्याप्त होंगे, किन्तु ऐसे प्ररूपों से कोई विचलन केवल ऐसे विचलन के कारण से किसी आरोप, आदेश कार्यवाहियों या इन नियमों से सुसंगत किसी अन्य दस्तावेज को अविधिमान्य नहीं बनाएगा।

(2) किसी ऐसे प्ररूप का कोई लोप केवल ऐसे लोप के कारण से किसी कार्य या बातों को अविधिमान्य नहीं बनाएगा।”;

4. मूल नियमों के नियम 14 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“14. विलंब की रिपोर्ट—(1) जहां अधिनियम के अधधीन कोई व्यक्ति धारा 57 या धारा 57क के अधीन उसके विचारण या उसके दंड अधिनियम के लिए किसी संयोजक तट रक्षक न्यायालय के आदेश जारी किए बिना अड़तालीस घंटे से अधिक की अवधि के लिए तट रक्षक अभिरक्षा में निरुद्ध रखा जा रहा है वहां ऐसे विलंब के लिए धारा 60 की अपेक्षानुसार परिशिष्ट-1 में उपवर्णित प्ररूप में कमान आफिसर द्वारा यथास्थिति जिला कमांडर या क्षेत्रीय कमांडर को भेजी जाएगी।

(2) उपनियम (1) के अधीन रिपोर्ट तब तक प्रत्येक आठ दिन के अंतराल पर लगातार भेजी जाती रहेगी जब तक कि तट रक्षक न्यायालय समवेत करने का आदेश नहीं दे दिया जाता है या धारा 57 या धारा 57क के अधीन दंड अधिनियमित नहीं कर दिया जाता है या ऐसा व्यक्ति तट रक्षक अभिरक्षा से निर्मुक्त नहीं कर दिया जाता है।

(3) प्रत्येक ऐसी विलंब की रिपोर्ट की एक प्रति ऐसी अभिरक्षा के अड़तालीस दिन पर या उसके पश्चात् कमान आफिसर द्वारा सीधे मुख्य विधि अधिकारी को और उस क्षेत्र के क्षेत्रीय कमांडर को जिसमें ऐसा व्यक्ति अभिरक्षा में रखा जाता है को भी भेजी जाएगी।

(4) जहां अभिरक्षा की अवधि दो मास से अधिक है वहां महानिदेशक की मंजूरी अपेक्षित होगी, जो समय-समय पर ऐसी मंजूरी ऐसी अवधि के लिए दे सकेगा जिसे वह आवश्यक समझे किन्तु कुल अवधि तीन मास से अधिक नहीं हो सकेगी।

(5) जहां उपनियम (1) में निर्दिष्ट अभिरक्षा की अवधि तीन मास से अधिक हो वहां केन्द्रीय सरकार की मंजूरी अपेक्षित होगी।”;

5. मूल नियमों के नियम 15 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“15. क. निलंबन.—(1) इन नियमों में अंतर्गुह्य किसी बात के होते हुए भी नियुक्त प्राधिकारी स्वाविवेक से अधिनियम के अधधीन किसी व्यक्ति को निलंबनाधीन रख सकेगा—

(i) जहां उसके विरुद्ध अधिनियम के अधीन अनुशासनिक कार्यवाई अनुध्यात है या लंबित है; या

(ii) जहां ऐसे प्राधिकारी की राय में उसने स्वयं को राज्य के हितों या सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले क्रियाकलापों में लगा रखा है :

परंतु यह कि महानिदेशक कमांडेंट (कनिष्ठ श्रेणी) के रैंक तक के कार्मिक की बाबत निलंबन की शक्ति का प्रयोग कर सकेगा।

परंतु यह और कि महानिदेशक पहले परंतुक के अधीन निलंबन के प्रत्येक मामले के तथ्यों की रिपोर्ट तुरंत केन्द्रीय सरकार को देगा और निलंबन के सभी ऐसे आदेश तब तक विधिमान्य नहीं होंगे जब तक कि उक्त आदेश की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा पुष्टि नहीं कर दी जाती है।

(2) अधिनियम के अधधीन कोई व्यक्ति नियुक्त प्राधिकारी के किसी आदेश द्वारा निलंबनाधीन रखा गया समझा जाएगा—

(i) जहां किसी आपराधिक आरोप पर या अन्यथा सिविल पुलिस द्वारा उसका निरोध चौबीस घंटे की अवधि से अधिक है वहां उसके निरोध की तारीख से; या

(ii) उसकी दोषसिद्धि की तारीख से यदि वह किसी आपराधिक आरोप पर किसी न्यायालय द्वारा सिद्ध दोष ठहराया जाता है और अड़तालीस घंटे से अधिक की अवधि के लिए कारावास का दंडादेश अधिनियमित किया जाता है।

(3) इस नियम के अधधीन किया गया या किया गया समझा गया निलंबन का आदेश तब तक प्रवृत्त बना रहेगा जब तक कि इसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा उपांतरित या संहत नहीं कर दिया जाता है।

(4) इस नियम के अधधीन किया गया या किया गया समझा गया कोई आदेश उस प्राधिकारी द्वारा जिसने यह आदेश किया है या किसी ऐसे प्राधिकारी द्वारा, जिसका वह प्राधिकारी अधिनस्थ है, किसी भी समय उपांतरित या संहत किया जा सकेगा।

(5) जब कोई व्यक्ति नब्बे दिन से अधिक के लिए निलंबित रहता है तब उसके मामले के समापन में विलंब के कारण देते हुए एक रिपोर्ट अभियुक्त के कमान आफिसर द्वारा महानिदेशक को भेजी जाएगी, और उसके पश्चात् पश्चात्वर्ती रिपोर्टें जब तक मामला समाप्त नहीं हो जाता है या निलंबन का आदेश संहत नहीं हो जाता है जो भी पहले हो, प्रत्येक मास भेजी जाएगी।”;

6. मूल नियमों के नियम 16 में,—

(क) उपनियम (1) के खंड (ख) में "दावा किया जाए" शब्दों के स्थान पर "परिशिष्ट 2क के अनुसार दावा किया जाए" शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) के खंड (क) में दोनों स्थानों में आने वाले "सक्रिय" शब्द का लोप किया जाएगा।

7. मूल नियमों के नियम 20 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"20. आरोप की सुनवाई.—(1) अधिनियम के अधधीन किसी व्यक्ति के विरुद्ध प्रत्येक आरोप की, अभियुक्त की उपस्थिति में कमान अधिकारी द्वारा सुनवाई की जाएगी, जो उसके विरुद्ध किसी साक्षी की प्रतिपरीक्षा करने और ऐसे साक्षी को बुलाने और अपनी प्रतिरक्षा के लिए ऐसा कथन करने, जो आवश्यक हो, के लिए पूर्ण स्वतंत्र होगा :

परंतु यह कि जहां अभियुक्त के विरुद्ध आरोप तट रक्षक (साधारण) नियम, 1986 के नियम 36 के अधीन संयोजित किसी जांच बोर्ड द्वारा अन्वेषण के परिणामस्वरूप उद्भूत होता है और जहां मूल नियमों के नियम 39 के उपनियम (4) के उपबंधों की अनुपालना की गई है वहां कमान आफिसर उपरोक्त प्रक्रिया को त्याग सकेगा।

(2) कमान आफिसर उसके समक्ष लाए गए किसी आरोप को खारिज कर सकेगा यदि उसकी राय में साक्ष्य से यह दर्शित नहीं होता है कि अधिनियम के अधीन कोई अपराध किया गया है या यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आरोप के संबंध में आगे कार्यवाही करना उचित नहीं है :

परंतु यह है कि कमान आफिसर नियम 21 के अधीन या नियम 22 के अधीन किसी अपराध के लिए किसी भी परिस्थिति में किसी आरोप को खारिज नहीं करेगा।

(3) उपनियम (1) की अनुपालना के पश्चात् यदि कमान आफिसर की यह राय है कि आरोप पर आगे कार्यवाही की जानी चाहिए तो वह युक्तियुक्त समय के भीतर,—

(क) ऐसे किसी दंड का अधिनिर्णय करेगा जिसे वह अधिनिर्णित करने के लिए सशक्त है; या

(ख) साक्ष्य का अभिलेख या उसके विरुद्ध साक्ष्य का सार तैयार करने के लिए अभियुक्त को प्रतिप्रेषित करेगा;

परंतु यह है कि जहां कमान आफिसर अधिनियम की धारा 57 के अधीन कोई दंड अधिनिर्णित करने का प्रस्ताव करता है या करना चाहता है जिसका अनुमोदन अपेक्षित है वहां वह साक्ष्य का अभिलेख या साक्ष्य का सार तैयार करेगा और परिशिष्ट 3ख में उपवर्णित दंड अनुमोदन प्ररूप के साथ उसे अप्रेषित करेगा।"

8. मूल नियमों के नियम 21 के खंड (ग) में "व्यक्तिगत रूप से अन्यथा हितबद्ध है" शब्दों के स्थान पर "व्यक्तिगत रूप से अन्यथा हितबद्ध है" शब्द रखे जाएंगे;

9. मूल नियमों के नियम 24 के उपनियम (3) में "उपनियम (3)" शब्द, कोष्ठक और अंक के स्थान पर "उपनियम (4)" शब्द, कोष्ठक और अंक रखे जाएंगे;

10. मूल नियमों के नियम 28 में,—

(क) खंड (ख) में, "खंड (क), (ग), और (घ), में विनिर्दिष्ट" शब्दों, कोष्ठकों और अक्षरों के स्थान पर "खंड (ग) और (घ) में विनिर्दिष्ट" शब्द, कोष्ठक और अक्षर रखे जाएंगे;

(ख) खंड (छ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(छ) दंडानुमोदन प्ररूप की तारीख और दंड अनुमोदन प्ररूप पढ़ने की तारीख सदैव एक ही होगी और जहां अपराध कारित करने की तारीख और दंड अनुमोदन प्ररूप के पढ़ने की तारीखों के बीच अयुक्तियुक्त अंतराल है वहां ऐसे अंतराल का कारण दंड अनुमोदन प्ररूप में कथन किया जाएगा;

(ग) खंड (झ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"(ज) यदि निलंबित नहीं किया गया है तो कारावास का दंड या निरोध उस तारीख को प्रारंभ होगा जिसको दंड अनुमोदन प्ररूप अपराधी को औपचारिक रूप से पढ़कर सुना दिया जाता है :

परंतु यह कि जहां अपराधी उस तारीख से, जिसको उस प्राधिकारी ने जिसने उसका विचारण किया है दंड अनुमोदन प्ररूप पर हस्ताक्षर किया है, अभिरक्षा में रखा गया है दंडादेश उस तारीख से प्रारंभ होगा;

(ट) अन्य दंड उस तारीख को प्रभावी होंगे जिसको दंड अनुमोदन प्ररूप अपराधी को औपचारिक रूप से पढ़कर सुना दिया जाता है ;

- (ठ) इस बात के होते हुए भी कि अपराधी के स्वास्थ्य की दशा ऐसी है जो उसे उस दंड जिसके लिए वह स्वयं दायी है कि पूर्ण या किसी भाग को पूरा करने के लिए अयोग्य ठहराती है और यह अधिक संभाव्य प्रतीत होता है कि वह सेवा से अविधिमान्य हो जाएगा या समय की पर्याप्त अवधि के लिए दंड के लिए अयोग्य रहता है तब उसके अपराध के लिए दंड अधिनिर्णीत किया जाएगा और यदि दंड अनुमोदन प्ररूप अपेक्षित होता है तो वह पूरा किया जाएगा और सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित किया जाएगा, इसलिए कि वह वेतन की हानि, छुट्टी के रोके जाने आदि जैसे अन्य दंडों के परिणामों से नहीं बच निकल पाएगा, अपराधी की अनुपस्थिति में और जहां आवश्यक हो उस अनुसरण में पढ़कर सुना दिया जाएगा।”
11. मूल नियमों के नियम 29 के खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—
“(ख) उस रैंक से नीचे जिसमें उसने तट रक्षक का पद ग्रहण किया है।”
12. मूल नियमों के नियम 31 के खंड (छ) में,—
(i) “उपनियम (1) के अनुसार” शब्दों, कोष्ठकों और अंक के स्थान पर “उपनियम (च) अनुसार” शब्द, कोष्ठक और अक्षर रखा जाएगा;
(ii) “ऐसे दिन की अनुपस्थिति के लिए” शब्दों के स्थान पर “प्रत्येक दिन की अनुपस्थिति के लिए” शब्द रखे जाएंगे;
13. मूल नियमों के नियम 32 में:
(i) उपनियम (1) में “धुलाई भत्ता” शब्दों के स्थान पर “संयुक्त व्यक्तिगत स्वच्छता अनुरक्षण भत्ता” शब्द रखे जाएंगे;
(ii) उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“(3) जहां बिना छुट्टी अनुपस्थिति के लिए वेतन और भत्ते अधिनिर्णीत किए जाते हैं वहां वह अवधि सभी प्रयोजनों के लिए नियमित समझी जाएगी।”
14. मूल नियमों के नियम 41 में “उत्तम यांत्रिकों” शब्दों के स्थान पर “यांत्रिकों” शब्द रखा जाएगा;
15. मूल नियमों के नियम 42 के प्रारंभिक भाग में “नाविकों, यांत्रिकों और अन्य अभ्यावेष्टित व्यक्तियों” शब्दों के स्थान पर “नाविकों और अभ्यावेष्टित अनुचरों” शब्द रखे जाएंगे;
16. मूल नियमों के नियम 43 में उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—
“(3) किसी व्यक्ति को उस अवधि के दौरान जब उसकी छुट्टी रोक दी गई है ड्यूटी पर पोत या केन्द्र छोड़ने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा अन्यथा नहीं, तथापि वह कमान आफिसर के स्वविवेक से छुट्टी पर जाने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।”
17. मूल नियमों के नियम 44 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“44क. कमांडेंट के रैंक से नीचे के आफिसरों का दंड.—(1) जहां कमांडेंट के रैंक से नीचे का कोई आफिसर धारा 57क के अधीन संक्षिप्त रूप से कार्रवाई करने के लिए सशक्त किसी प्राधिकारी द्वारा उसके विरुद्ध किसी आरोप के निपटान के लिए प्रतिप्रेषण किया जाता है वहां साक्ष्य के अभिलेख और आरोप पत्र की प्रतियां उसे यथाशीघ्र किन्तु किसी भी दशा में संक्षिप्त विचारण व कम से कम चौबीस घंटे पूर्व परिदत्त की जाएंगी।”
(2) धारा 57क के अधीन सशक्त प्राधिकारी जब तक कि आरोप रद्द नहीं कर दिया जाता है या अभियुक्त साक्षियों की उपस्थिति की अभिमुखित के लिए लिखित में सहमत नहीं हो जाता है उसकी उपस्थिति में साक्ष्य की सुनवाई करेगा और उसके विरुद्ध किसी साक्षी की प्रति परीक्षा करने और अपनी प्रतिरक्षा में साक्षियों का कथन और परीक्षा करने के लिए वह पूर्ण स्वतंत्र होगा;
(3) विचारण कार्यवाहियां यथा साध्य परिशिष्ट 4क में उपवर्णित प्ररूप के अनुसार अभिलिखित की जाएंगी। प्रत्येक मामले में जहां विचारण महानिदेशक से भिन्न किसी प्राधिकारी द्वारा संचालित किया जाता है वहां आचरण पत्र, साक्ष्य के अभिलेख और साक्षियों (यदि कोई हो) की उपस्थिति को अभिलिखित करने के लिए अभियुक्त की लिखित सहमति के साथ कार्यवाहियां महानिदेशक को अग्रेषित की जाएंगी।”;
18. मूल नियमों के नियम 50 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किय जाएगा, अर्थात् :—
“50क. साक्षियों की उपस्थिति की व्यवस्था करना.—(1) किसी तट रक्षक न्यायालय द्वारा विचारण की दशा में अभियुक्त का कमान आफिसर, संयोजक प्राधिकारी या, न्यायालय के समवेत के पश्चात् यथास्थिति न्यायालय का पीठासीन अधिकारी या विचारण के लिए नियुक्त विधि अधिकारी द्वारा किसी साक्षी जिसको अभियुक्त या अभियोजक बुलाना चाहता है और जिसकी उपस्थिति की समुचित रूप से व्यवस्था की जा सकती है, की उपस्थिति की व्यवस्था करने के लिए उचित उपाय करेगा :
परन्तु यह है कि ऐसी उपस्थिति के लिए अनुरोध करने वाले व्यक्ति से खर्चा, यदि कोई हो, के चुकाने की उपेक्षा की जा सकेगी;

- (2) अधिनियम के अधधीन औपचारिक समन के जारी किए बिना समुचित तटरक्षक प्राधिकारी किसी साक्षी की उपस्थिति का आदेश करेगा;
- (3) सेना, नौसेना, या वायुसेना से संबंधित व्यक्तियों की उपस्थिति तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अनुसार समुचित प्राधिकारियों के माध्यम से व्यवस्थित होगी।”;
19. मूल नियमों के नियम 52 के खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—
- “(घ) अभियुक्त का कमान आफिसर, या उस पोत का, जिससे अभिकथित अपराध के कारित होने के समय अभियुक्त का संबंध था, कमान आफिसर है।”;
20. मूल नियमों के नियम 53 के उपनियम (5) और उपनियम (6) का लोप किया जाएगा;
21. मूल नियमों के नियम 54 के खंड (ज) का लोप किया जाएगा;
22. मूल नियमों के नियम 84 के उपनियम (1) में खंड (छ) और खंड (ज) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—
- “(छ) कप्तान को रात्रि आदेश पुस्तिका;
- (ज) दिक्चालन आफिसर की टिप्पण पुस्तिका और कार्य पुस्तिका;
- (झ) इंजन कक्ष की लॉग बुक;
- (ञ) निगरानी कार्य पुस्तिका का आफिसर;
- (ट) इको साउंडर लॉग पुस्तिका;
- (ठ) दिक्चालन इयोमैन की टिप्पण पुस्तिका;
- (ड) दिक्चालन आफिसर का रात्रि आदेश;
- (ढ़) दिक्चालन आफिसर का दृश्य प्ररूप; और
- (ण) चक्कर और इंजन आदेश पुस्तिका;”
23. मूल नियमों के नियम 90 के उपनियम (2) में निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- “परन्तु यह है कि जहां अभियुक्त द्वारा कोई विधि का प्रश्न उठाया जाता है, वहां अभियोजक न्यायालय की अनुज्ञा से अतिरिक्त निवेदन कर सकेगा।”;
24. मूल नियमों के नियम 93 में उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- “(1क) ‘दोषी होने’ या ‘दोषी न होने’ के निष्कर्ष के, जिसके अंतर्गत ऐसे मामले भी हैं जहां धारा 27 और धारा 28 के अधीन आरोप पर उत्तर देने के लिए ‘कोई मामला न होने’ के प्रतिरक्षा प्रस्तुतिकरण को न्यायालय ग्रहण करता है, कारण अभिलिखित किए जाएंगे”;
25. मूल नियमों के नियम 95 में उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—
- “(2) उपनियम (1) के अधीन साक्ष्य परिशिष्ट 7क में यथा उपवर्णित सूचना से युक्त किसी दस्तावेज को प्रस्तुत करने वाले किसी साक्षी द्वारा उस दस्तावेज में निर्दिष्ट व्यक्ति के रूप में अभियुक्त की पहचान करते हुए दी जा सकेगी।”;
26. मूल नियमों के नियम 102 के उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- “(5) तट रक्षक न्यायालय, सभी कार्यकरण दिवसों की कार्यवाहियों को संचालित करने के लिए युक्तियुक्त घंटों के लिए ऐसे समय के लिए और ऐसी अवधि के लिए जो, सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच में हो, आसीन हो सकेगा;
- परन्तु यह है कि ऐसी दशाओं में जहां न्यायालय या संयोजक प्राधिकारी समझता है कि सेवा की अत्यावश्यकता या अनुशासन के हित में ऐसा करना अपेक्षित है वहां न्यायालय जैसा ठीक समझे रविवार या राजपत्रित अवकाशों पर भी आसीन हो सकेगा।”;
27. मूल नियमों के नियम 110 के उपनियम (4) के खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—
- “(क) न्यायालय प्रत्येक मामले में अभियुक्त द्वारा की गई प्रतिरक्षा का ऐसा अभिलेख तैयार करेगा जो अभियुक्त द्वारा या उसकी ओर से उसके विरुद्ध प्रत्येक आरोप के लिए दिए गए उत्तर का निर्णय करने के लिए पुनर्विलोकन प्राधिकारी को समर्थ बनाएगा।”;
28. मूल नियमों के नियम 117 में उपनियम (3) और उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—
- “(3) तट रक्षक न्यायालय द्वारा किसी विचारण के दौरान विधि अधिकारी का यह कर्तव्य हो जाता है कि वह विधि के सभी प्रश्न जिसके अंतर्गत तथ्यों की सुसंगता और मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य की ग्राह्यता से संबंधित प्रश्न भी हैं, को विनिर्दिष्ट करे;

(4) विचारण के दौरान जब कभी विधि अधिकारी को यह प्रतीत होता है कि साक्ष्य की ग्राह्यता के संबंध में, पृथक विचारणों के लिए आवेदन पर या विधि के किसी अन्य प्रश्न पर न्यायालय की उपस्थिति में कोई तर्क नहीं सुना जाना चाहिए तब वह तदनुसार न्यायालय के पीठासीन अधिकारी को सलाह दे सकेगा और पीठासीन अधिकारी उस पर न्यायालय की निवृत्ति का आदेश करेगा और उसके पश्चात् विधि अधिकारी तर्कों को सुनेगा और अपनी राय देगा;

(5) जहां न्यायालय के समक्ष किसी विषय पर विधि अधिकारी द्वारा न्यायालय को कोई राय दी गई है वहां इसे कार्यवाहियों में अभिलिखित किया जा सकेगा;

(6) विधि अधिकारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सर्वथा निष्पक्ष स्थिति बनाए रखेगा।'';

29. मूल नियमों के नियम 119 में "पुष्टि करने वाला प्राधिकारी" शब्दों के स्थान पर "संयोजक प्राधिकारी" शब्द रखे जाएंगे;

30. मूल नियमों के नियम 120 को उसके उपनियम (1) के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और—

(क) इस प्रकार पुनःसंख्यांकित उपनियम (1) में "प्रत्येक तट रक्षक न्यायालय की कार्यवाहियां" शब्दों के स्थान पर "प्रत्येक तट रक्षक न्यायालय की कार्यवाहियां" शब्द रखे जाएंगे;

(ख) इस प्रकार पुनःसंख्यांकित उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(2) प्रत्येक समरी विचारण की कार्यवाहियां प्रख्यापन के पश्चात् भारसाधक अधिकारी, नाविक ब्यूरो को अग्रेषित की जाएंगी जो इन कार्यवाहियों को कम से कम सात वर्ष की अवधि के लिए परिरक्षित करेगा।”;

31. परिशिष्ट 1 के स्थान पर निम्नलिखित परिशिष्ट रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परिशिष्ट-1

(नियम 14 देखिए)

विलम्ब रिपोर्ट का प्ररूप

सं. —————

तट रक्षक पोत —————

तारीख —————

सेवा में,

1. रैंक ————— नाम ————— संख्या —————
2. अपराध —————
3. अपराध की तारीख —————
4. वह तारीख जिसको अपराध का पता चला —————
5. गिरफ्तारी (खुली/बंद) की तारीख —————
6. खुली गिरफ्तारी से निर्मुक्ति की/पुनः गिरफ्तार करने पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निर्मुक्ति की तारीख (यदि निर्मुक्त नहीं किया गया, कारण) —————
7. वह तारीख जिसको साक्ष्य का अभिलेख किया गया (यदि अभिलिखित नहीं किया गया तो, कारण) —————
8. विचारण के लिए आवेदन किस तारीख को किया गया —————
9. वह तारीख जिसको विचारण होना है —————
10. विलम्ब के लिए कारण —————

(कमान आफिसर)

प्रतिलिपि :

1. कमांडर, तट रक्षक क्षेत्र -----
2. मुख्य विधि अधिकारी तट रक्षक मुख्यालय'';
32. परिशिष्ट 2 के पश्चात् निम्नलिखित परिशिष्ट अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परिशिष्ट 2क

[नियम 16(1)(ख)]

तट रक्षक अधिनियम, 1978 के अधीन विचारण हेतु अपराधी का दावा करने के लिए प्ररूप

सेवा में,

महोदय,

मुझे सूचित किया गया है कि धारा ----- के अधीन एक आपराधिक मामला (क) -----
तट रक्षक ----- (ख) ----- के विरुद्ध आपके न्यायालय में संस्थित कर दिया गया
है। उक्त ----- (नाम और रैंक) इस समय मेरी कमान के अधीन सेवारत है और उक्त अपराध के लिए तट रक्षक अधिनियम,
1978 के अधीन विचारण किए जाने के लिए दायी है।

तट रक्षक अधिनियम, 1978 की धारा 71 के अधीन मुझमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैंने विनिश्चय किया है कि उक्त (नाम और रैंक) का
तट रक्षक अधिनियम, 1978 के अधीन विचारण होगा।

भवदीय,

महानिदेशक/महानिरीक्षक/
उप महानिरीक्षक/कमान आफिसर

- (क) अभियुक्त का नाम,
- (ख) अभियुक्त की यूनिट'';

33. परिशिष्ट 4 के पश्चात् निम्नलिखित परिशिष्ट अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परिशिष्ट-4क

(नियम 44क देखिए)

प्ररूप—1

धारा 57क के अधीन कमांडेंट की रैंक से नीचे के आफिसरों के समरी विचारणों में उपयोग के लिए प्ररूप (जहां मामले का संक्षिप्त रूप
से निपटान करने वाला प्राधिकारी साक्षियों को उपस्थिति से अभियुक्त करने के लिए अभियुक्त की लिखित सहमति से विनिश्चय करता है)।

अभियुक्त का रैंक, नाम और संख्या : -----

पोत/स्थापन : -----

अभियुक्त के लिए प्रश्न

1. क्या आपने आरोप पत्र और साक्ष्य के अभिलेख की एक प्रति प्राप्त कर ली है ?

उत्तर

2. क्या आपको अपनी प्रतिरक्षा तैयार करने के लिए पर्याप्त समय मिला था ?

उत्तर

अभियुक्त को आरोप पत्र पढ़कर सुना दिया जाता है।

3. क्या आपके विरुद्ध ऐसे आरोप (आरोपों) के, जिसे (जिन्हें) आपको अभी पढ़कर सुनाया गया है, आप दोषी हो या दोषी नहीं हो ?

उत्तर

साक्ष्य का अभिलेख पढ़कर सुना दिया गया है या उस मामले का संक्षिप्त रूप से निपटान करने वाला प्राधिकारी अभियुक्त को सूचित कर देता है कि उसने इसका पहले ही परीक्षण कर लिया है।

4. क्या आप कोई कथन करना चाहते हैं ?

उत्तर

(यदि अभियुक्त कोई कथन करना चाहता है तो उसे अब ऐसा करना चाहिए)

यदि सुनवाई के निष्कर्ष पर मामले का संक्षिप्त रूप से निपटान करने वाला प्राधिकारी समझता है कि आरोप खारिज कर दिया जाना चाहिए तो वह अभियुक्त के सेवा के अभिलेख की परीक्षा करेगा।

यदि मामले का संक्षिप्त निपटान करने वाला प्राधिकारी वेतन और भत्तों के अपकर्तन या कड़े धिगदंड से भिन्न कोई दंड अधिनिर्णीत करने का प्रस्ताव करता है तो वह अभियुक्त से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगा :—

5. क्या आप किसी तट रक्षक न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन करते हैं या मेरे अधिनिर्णय को स्वीकार करेंगे ?

उत्तर

निष्कर्ष : —————

अधिनिर्णय : —————

पोत/स्थापन : —————

तारीख : —————

हस्ताक्षर

प्ररूप-2

धारा 57क के अधीन कमांडेंट की रैंक से नीचे के आफिसरों के संक्षिप्त विचारणों में उपयोग के लिए प्ररूप (जब मामले का संक्षिप्त रूप से निपटान करने वाला प्राधिकारी साक्षियों को उपस्थिति से अभिमुक्त करने के लिए विनिश्चय नहीं करता है या जब अभियुक्त उपस्थिति की अपेक्षा करता है।)

अभियुक्त का रैंक, नाम और संख्या : —————

पोत/स्थापन : —————

अभियुक्त के लिए प्रश्न

1. क्या आपने आरोप पत्र और साक्ष्य के अभिलेख की एक प्रति प्राप्त कर ली है ?

उत्तर

2. क्या आपको अपनी प्रतिरक्षा तैयार करने के लिए पर्याप्त समय मिला था ?

उत्तर

आरोप पत्र पढ़ लिया है।

3. क्या आपके विरुद्ध ऐसे आरोप (आरोपों) के, जिसे (जिन्हें) आपको अभी पढ़कर सुनाया गया है, आप दोषी हो या दोषी नहीं हो ?

उत्तर

साक्षी अपने साक्ष्य दें, अभियुक्त को प्रतिपरीक्षा करने के लिए अनुज्ञात किया जाए।

4. क्या आप कोई कथन करना चाहते हैं ?

उत्तर

(यदि अभियुक्त कोई कथन करना चाहता है तो उसे अब ऐसा करना चाहिए)

5. क्या आप किन्हीं साक्षियों को बुलाना चाहते हैं ?

उत्तर

अभियुक्त अपना कथन करता है और उसके साक्षी साक्ष्य देते हैं।

यदि सुनवाई की समाप्ति पर मामले का संक्षिप्त रूप से निपटान करने वाला प्राधिकारी समझता है कि आरोप खारिज कर दिया जाना चाहिए तो वह अभियुक्त के सेवा के अभिलेख की परीक्षा करेगा।

यदि मामले का संक्षिप्त रूप से निपटान करने वाला प्राधिकारी वेतन और भत्तों के अपकर्तन या कड़े धिगदंड से भिन्न कोई दंड अधिनिर्णीत करने का प्रस्ताव करता है तो वह अभियुक्त से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगा :—

6. क्या आप किसी तट रक्षक न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन करते हैं या मेरे अधिनिर्णय को स्वीकार करेंगे ?

उत्तर

निष्कर्ष : —————

अधिनिर्णय : —————

पोत/स्थापन : —————

तारीख : —————

हस्ताक्षर";

34. परिशिष्ट 7 के पश्चात् निम्नलिखित परिशिष्ट अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परिशिष्ट 7क

[नियम 95 (2) देखिए]

अभियुक्त के चरित्र और सेवा की विशिष्टियों का विवरण

तट रक्षक केन्द्र ————— का रैंक, नाम और संख्या ————— ।

1. तट रक्षक अधिनियम 1978 की धारा 57 या धारा 57क के अधीन किसी तट रक्षक न्यायालय या आपराधिक न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि और संक्षिप्त अधिनिर्णयों के एकमात्र अभियुक्त की सेवा पुस्तिका में विशिष्टियों का निम्नलिखित उचित और सही संक्षिप्त विवरण है :—

पिछले बारह मास के भीतर

सेवा के पदग्रहण से

(क)	————— के लिए	————— बार	————— बार	(क) अपराध का विवरण और तट
	————— के लिए	————— बार	————— बार	रक्षक अधिनियम, 1978 की
	————— के लिए	————— बार	————— बार	सुसंगत धारा अंतःस्थापित करें।

शौर्य या विशिष्ट आचरण के दृष्टान्तों की संख्या।

या

अभियुक्त की सेवा पुस्तिका में प्रविष्टियां नहीं हैं।

2. इस विचारण पर ध्यान दिए बिना अभियुक्त का साधारण चरित्र* ————— *अभ्यावेशित व्यक्तियों के चरित्र ————— है।

3. अभियुक्त की वर्तमान आयु उसके (सेवा के अभिलेख/अभ्यावेशन कागज-पत्र) के अनुसार ————— निर्धारण तट रक्षक (सेवा की शर्त) नियम, 1986 के नियम 19 के निबंधनों के अनुसार अभिलिखित किया जाएगा।

4. उसके (सेवा के अभिलेख/अभ्यावेशन कागज-पत्र) में विनिर्दिष्ट उसकी नियुक्ति/अभ्यावेशन की तारीख ————— है और उसकी कुल सेवा ————— है।

1452-21/05-3

5. (किसी आफिसर की दशा में) अभियुक्त ————— से
 ————— की अधिष्ठायी रैंक और ————— से
 ————— की कार्यकारी रैंक धारण करता है।
6. तट रक्षक में पदग्रहण के पश्चात् अभियुक्त ने विद्यमान तारीख तक निरंतर सेवा की है —
 ————— से ————— वर्ष के लिए ————— की रैंक में
 ————— से ————— वर्ष के लिए ————— की रैंक में
 ————— से ————— वर्ष के लिए ————— की रैंक में
7. अभियुक्त अपनी पेंशन या उपदान अवधारित करने के प्रयोजन के लिए ————— वर्ष की सेवा संगणित करने का हकदार है।
8. अभियुक्त ने निम्नलिखित अलंकरण और पुरस्कार प्राप्त किए हैं ————— ।
9. अभियुक्त को सिविल अभिरक्षा में ————— दिन और तट रक्षक अभिरक्षा में ————— दिन कुल मिलाकर
 ————— दिन जिसमें से ————— दिन अस्पताल में व्यतीत किए गए थे के लिए वर्तमान आरोप (आरोपों) पर
 विचारण की प्रतिरक्षा करने के लिए अभिरक्षा में रखा गया है।
10. अभियुक्त के विरुद्ध कोई पूर्ववर्ती दोषसिद्धि नहीं हैं।

या

तट रक्षक अधिनियम, 1978 की धारा 57 या धारा 57क के अधीन किसी तट रक्षक न्यायालय द्वारा अभियुक्त की पूर्ववर्ती दोषसिद्धि और संक्षिप्त अधिनिर्णय इस विवरण से उपाबद्ध अनुसूची में उपवर्णित है।

तट रक्षक अधिनियम, 1978 की धारा 57 या धारा 57क के अधीन किसी तट रक्षक न्यायालय या आपराधिक न्यायालय द्वारा
 दोषसिद्धि और संक्षिप्त अधिनिर्णयों की अनुसूची

तट रक्षक पोत/स्थापन ————— के अभियुक्त का रैंक ————— नाम ————— सं. —————

टिप्पण : इन दोषसिद्धियों का कथन करते हुए सेवा पुस्तिका से शब्दशः उद्धरण अंतःस्थापित किए जाने चाहिए।

संक्षिप्ततः दंडों का अधिनिर्णय करने वाले न्यायालय/प्राधिकारी का वर्णन	विचारण/संक्षिप्त अधिनिर्णय का स्थान और तारीख	आरोप जिन पर दोषसिद्धि हुई है	दंडादेश/संक्षिप्त अधिनिर्णय	टिप्पणियां
--	---	---------------------------------	--------------------------------	------------

मैं प्रमाणित करता हूँ कि दोषसिद्धियों की पूर्वगामी अनुसूची मेरी अभिरक्षा में के सेवा अभिलेखों से सही उद्धरण है।

केन्द्र —————

तारीख ————— 20

कमान आफिसर।'';

[फाइल सं. एल डब्ल्यू/0155/661/यूएस (पी)/डी(एन-II)]

जी.एस. औधखासी, अवर सचिव (कार्मिक)/रक्षा(नेवी-II)

टिप्पण : तट रक्षक (अनुशासन) नियम, 1983 भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 4 में का.नि.आ. 46 (अ), तारीख 19 मई, 1983 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और ये नियम अभी तक संशोधित नहीं किए गए हैं।

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 9th May, 2005

S.R.O. 33.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clauses (a), (h), (i), (j) and (k) of sub-section (2) of Section 123 of the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Coast Guard (Discipline) Rules, 1983, namely :—

1. (1) These rules may be called the Coast Guard Discipline (Amendment) Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Coast Guard (Discipline) Rules, 1983, (hereinafter referred to as the principal rules), in rule 2, after clause (d), following clauses shall be inserted, namely :—

(da) "District Commander" means the District Commander appointed by the Director-General;

(db) "Enrolled Follower" means a person so enrolled in the Coast Guard;

(dc) "Executive Officer" means an officer specified under Section 57 of the Act;

(dd) "Regional Commander" means the—

(i) Commander, Coast Guard Region, West;

(ii) Commander, Coast Guard Region, East; and

(iii) Commander, Coast Guard Region, Andaman and Nicobar Islands.;

3. For rule 4 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"4. Forms in appendices.—(1) The Forms set forth in the appendices to these rules, with such variations as the circumstances of each case may require, may be used for the respective purposes therein mentioned, and if used, shall be sufficient, but a deviation from such forms shall not, by reason only of such deviation, render invalid any charge, order, proceedings or any other document relevant to these rules.

(2) Any omission of any such form shall not, be reason only of such omission, render any act or things invalid.;"

4. For rule 14 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"14. Delay Reports—(1) Where a person subject to the Act is being detained in Coast Guard custody for a period beyond forty-eight hours without issuing orders for convening a Coast Guard Court for his trial or awarding him punishment under section 57 or section 57A, the report as required under section 60 for such delay, shall be submitted by the Commanding Officer to the District Commander or the Regional Commander, as the case may be, in the form set out in Appendix I.

(2) The report under sub-rule (1) shall continue to be submitted at an interval of every eighth day until the Coast Guard Court is ordered to assemble or punishment under section 57 or section 57A is awarded or, such person is released from the Coast Guard custody.

(3) A Copy of every such delay report shall, on or after the forty-eighth day of such custody, be also sent by the Commanding Officer directly to the Chief Law Officer and to the Regional Commander of the Region in which such person is held in custody.

(4) Where the period of custody exceeds two months, the sanction of the Director-General shall be required, who may grant such sanction from time to time, for such period as he may deem necessary but not exceeding a total period of three months.

(5) Where the period of custody referred to in sub-rule (1) exceeds three months, the sanction of the Central Government shall be required.;"

5. After rule 15 of the principal rules, the following rule shall be inserted, namely :—

"15A. Suspension.—(1) Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may, as its discretion, place a person subject to the Act, under suspension—

(i) where a disciplinary action under the Act against him is contemplated or is pending; or

(ii) where in the opinion of such authority, he has engaged himself in activities prejudicial to the interests or the security of the State :"

Provided that the Director-General may exercise the power of suspension in respect of personnel upto the rank of Commandant (Junior Grade) :

Provided further that the Director-General shall report the facts of each case of suspension under the first proviso immediately to the Central Government and all such orders of suspension shall not be valid unless confirmed by the Central Government within a period of one month from the date of the said order.

(2) A person subject to the Act shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority :—

(i) with effect from the date of his detention where his detention by the civil police on a criminal charge or otherwise exceeds a period of twenty-four hours;

or

(ii) with effect from the date of his conviction if he is convicted by any court on a criminal charge and awarded a sentence of imprisonment for a term exceeding forty-eight hours.

(3) An order of suspension made or deemed to have been made under this rule shall continue to remain in force until it is modified or revoked by the competent authority.

(4) An order of suspension made or deemed to have been made under this rule may, at any time, be modified or revoked by the authority, which made the order or by any authority to which that authority is subordinate.

(5) When a person remains under suspension for more than ninety days, a report, giving reasons for delay in the finalisation of his case, shall be submitted to the Director-General by the Commanding Officer of the accused, and thereafter, subsequent reports shall be submitted every month till the case is finalised or the order of suspension is revoked, whichever is earlier.”;

6. In rule 16 of the principal rules, —

(a) in sub-rule(1), in clause (b) for the words “to claim for” the word, figure and letter “to claim as per Appendix IIA” shall be substituted.

(b) in sub-rule(2), in clause (a) the words “active”, occurring at both the places, shall be omitted;

7. For rule 20 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“20. Hearing of charge.—(1) Every charge against a person subject to the Act shall be heard by the Commanding Officer in the presence of the accused, who shall have full liberty to cross examine any witness against him, and to call such Witness and make such statement as may be necessary for his defence :

Provided that where the charge against the accused arises as a result of investigation by a Board of Inquiry convened under rule 36 of the Coast Guard (General) Rules, 1986 and where the provisions of sub-rule (4) of rule 39 of the principal rules have been complied with, the Commanding Officer may dispense with the above procedure.

(2) The Commanding Officer shall dismiss a charge brought before him, if, in his opinion, the evidence does not show that an offence under the Act has been committed, or if he is satisfied that the charge ought not to be proceeded with :

Provided that the Commanding Officer shall not dismiss a charge under any of the circumstances under rule 21 or for any offence under rule 22.

(3) after compliance of sub-rule (1), if the Commanding Officer is of opinion that the charge ought to be proceeded with, he shall, within a reasonable time, —

(a) award any of the punishment which he is empowered to award; or

(b) remand the accused for preparing a record of evidence or an abstract of evidence against him :

Provided that where the Commanding Officer proposes to award any of the punishments under section 57 of the Act, which requires approval, he shall prepare a Record of Evidence or an Abstract of Evidence and forward it alongwith the Punishment Approval Form set out in *Appendix III B.*”;

8. In rule 21 of the principal rules, in clause (c), for the words “personally interested in the case and”, the words “personally interested in the case” shall be substituted;

9. In rule 24 of the principal rules, in sub-rule (3), for the word, brackets and figure “sub-rule(3)”, the word, brackets and figure “sub-rule(4)” shall be substituted;

10. In rule 28 of the principal rules, —

(a) in clause (b), for the words, brackets and letters “specified in clauses (a), (c) and (d)” the words, brackets and letters “specified in clauses (c) and (d)” shall be substituted;

(b) for clause (g), the following clause shall be substituted, namely :—

“(g) the date of Punishment Approval Form and the date of reading the Punishment Approval Form shall always be the same and where there is an unreasonable interval between the dates of commission of the offence and the reading of Punishment Approval Form, the reason for such interval shall be stated in the Punishment Approval Form;

(c) after clause (i), the following clauses shall be inserted, namely :—

“(j) The punishment of imprisonment or detention if not suspended, shall commence on the day on which the Punishment Approval Form is formally read over to the offender;

Provided that where the offender has been kept in custody from the date on which the authority who tried him signed the Punishment Approval Form, the sentence shall begin to run from that date;

(k) the other punishments shall take effect on the date on which the Punishment Approval Form is formally read over to the offender.

(l) Notwithstanding that the state of health of the offender is such as renders him unable to undergo the whole or any part of the punishment to which he may have rendered himself liable and it appears probable that he will be invalidated from the service or remains unfit for punishment for a considerable period of time, the punishment meted out for his offence shall be awarded and if it requires a Punishment Approval Form, it is to be completed and duly signed and read over, where necessary, in the absence of the offender in order that he may not escape the consequences of the other punishments such as loss of pay, stoppage of leave, etc.”;

11. In rule 29 of the principal rules, for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

“(b) below the rank in which he joined the Coast Guard.”;

12. In rule 31 of the principal rules, in clause (g), —

(i) for the words, brackets and figure “in accordance with sub-rule (1)”, the words, brackets and letter “in accordance with sub-rule (f)” shall be substituted;

(ii) for the words, “for such day’s absence”, the words “or each day’s absence” shall be substituted;

13. In rule 32 of the principal rules,—

(i) in sub-rule (1), for the words “washing allowance”, the words “composite personal maintenance hygiene allowance”, shall be substituted;

(ii) after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(3) Where mulcts of pay and allowances are awarded for absence without leave, the period shall be treated as regularised for all purposes.”;

14. In rule 41 of the principal rules, for the words “Uttam Yantriks”, the words “Yantriks”, shall be substituted;

15. In rule 42 of the principal rules, in the opening portion, for the words “Naviks, Yantriks and enrolled persons”, the words “Naviks and Enrolled Followers”, shall be substituted;

16. In rule 43 of the principal rules, for sub-rule(3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) While under stoppage of leave, a person shall not be allowed to leave the ship or station except on duty, he may, however, be allowed to proceed on leave at the discretion of the Commanding Officer.”;

17. After rule 44 of the principal rules, the following rule shall be inserted namely :—

“44A. Punishment of officers below the rank of Commandant.—(1) Where an officer below the rank of Commandant is remanded for disposal of a charge against him by an authority empowered to deal summarily under section 57A, the copies of record of evidence and the charge sheet shall be delivered to him as soon as practicable, but in any case not less than twenty-four hours before the summary trial.

(2) The authority empowered under section 57A shall, unless the charge is dismissed or the accused consents to in writing to dispense with the attendance of witnesses, hear the evidence in his presence and he shall have full liberty to cross-examine any witness against him, and to make statement and examine witnesses in his defence.

1452E/1105-6

- (3) The trial proceedings shall, as far as practicable, be recorded in accordance with the form set out in Appendix IV A. In every case where the trial is conducted by an authority other than the Director-General, the proceedings together with the conduct sheet, record of evidence and written consent of the accused to dispense with the attendance of witnesses (if any), shall be forwarded to the Director-General.”;
18. After rule 50 of the principal rules, the following rule shall be inserted, namely :—
- “50A. Arranging attendance of witness.—(1) In case of trial by a Coast Guard Court, the Commanding Officer of the accused, Convening authority or, after assembly of the Court, the Presiding Officer of the Court or the Law Officer appointed for the trial as the case may be, shall take proper steps for arranging attendance of a witness whom the accused or the Prosecutor wishes to call and whose attendance can reasonably be arranged:
- Provided that the person requesting such attendance may be required to defray the cost, if any.
- (2) The appropriate Coast Guard authority shall order the attendance of a witness subject to the Act without issuance of formal summons.
- (3) The attendance of persons belonging to Army, Navy or Air Force shall be arranged through appropriate authorities in accordance with any law for the time being in force.”;
19. In rule 52 of the principal rules, for clause (d), the following clause shall be substituted, namely :—
- “(d) is the Commanding Officer of the accused, or the Commanding Officer of the Ship to which the accused belonged at the time of Commission of the alleged offence, or”;
20. In rule 53 of the principal rules, sub-rules (5) and (6) shall be omitted;
21. In rule 54 of the principal rules, clause (h) shall be omitted;
22. In rule 84 of the principal rules, in sub-rule (1), for clauses (g) and (h), the following clauses shall be substituted, namely :—
- “(g) the Captain’s night order book;
- (h) the Navigating Officer’s note book and work book;
- (i) the engine room log book;
- (j) the Officer of the Watch work book;
- (k) the echo sounder log book;
- (l) the Navigating Yeoman’s note book;
- (m) the Navigating Officer’s night order;
- (n) the Navigating Officer’s sight forms; and
- (o) the wheel and engine order book.”;
23. In rule 90 of the principal rules, in sub-rule (2), the following proviso shall be inserted, namely :—
- “Provided that where any question of law is raised by the accused, the prosecutor may, with the permission of the court, make additional address”;
24. In rule 93 of the principal rules, after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted, namely :—
- “(1A) The reasons for finding of ‘Guilty’ or of ‘Not Guilty’, including cases where the court accepts the defence submission of ‘no case’ to answer on charges under sections 27 and 28, shall be recorded;
25. In rule 95 of the principal rules, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—
- “(2). Evidence under sub-rule (1) may be given by a witness producing a document containing information as set out in Appendix VIIA and identifying the accused as the person referred to in that document.”;
26. In rule 102 of the principal rules, after sub-rule (4), the following sub-rule shall be inserted, namely :—
- “(5) On all working days a Coast Guard Court may sit at such times and for such period between sunrise and sunset for reasonable hours to conduct the proceedings :

Provided that in cases where the court or the convening authority thinks that the service exigencies or the interest of discipline so require, the court may also sit on Sundays or gazetted holidays, as deemed necessary.”;

27. In rule 110 of the principal rules, in sub-rule (4), for clause (a), the following clause shall be substituted, namely :—

“(a) the court shall, in every case, make such record of the defence made by the accused as will enable the reviewing authority to judge the reply made by, or on behalf of, the accused to each charge against him, and”;

28. In rule 117 of the principal rules, for sub-rules (3) and (4), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

“(3) During any trial by Coast Guard Court, it is the duty of the Law Officer to decide all questions of law, including questions as to the relevancy of facts and admissibility of oral and documentary evidence.

(4) Whenever during trial, it appears to the Law Officer that any argument as to the admissibility of the evidence or on application for separate trials or on any other question of law, should not be heard in the presence of the court, he may advise the Presiding Officer of the court accordingly and the Presiding Officer shall thereupon, make an order for the court to retire and thereafter, the Law Officer shall hear the arguments and give his opinion.

(5) Where any opinion has been given by the Law Officer to the court on any matter before it, it may be recorded in the proceedings.

(6) In the discharge of his duties, the Law Officer shall maintain a strict impartial position.”;

29. In rule 119 of the principal rules, for the words “confirming authority”, the words “convening authority” shall be substituted;

30. Rule 120 of the principal rules shall be numbered as sub-rule (1) thereof and—

(a) in sub-rule (1) as so re-numbered, for the words “The proceedings of every Court”, the words “The proceedings of every Coast Guard Court”, shall be substituted;

(b) after sub-rule (1) as so re-numbered, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(2) The proceedings of every summary trial shall, after promulgation, be forwarded to the Officer-in-Charge, Bureau of Naviks, who shall preserve these proceedings for a period not less than seven years.”;

31. For Appendix I, the following Appendix shall be substituted, namely :—

“APPENDIX I

(See rule 14)

Form of Delay Report

No. _____
CGS _____
Date _____

To

1. Rank _____ Name _____ No. _____
2. Offence _____
3. Date of Offence _____
4. Date offence was discovered _____
5. Date of (open/close) arrest _____
6. Date of release from open arrest/release without prejudice to re-arrest (if not released, reasons) _____
7. Record of evidence made on _____
(if not recorded, reasons)
8. Application for trial made on _____

9. Date due to be tried _____
10. Reasons for delay _____

(Commanding Officer)

Copy to :

1. Commander, Coast Guard Region _____
2. Chief Law Officer, Coast Guard Headquarter”;

32. After Appendix II, the following Appendix shall be substituted, namely :—

“APPENDIX IIA

[See rule 16 (1)(b)]

Form for claiming offender for trial under the Coast Guard Act, 1978

To

Sir,

Whereas I have been informed that a criminal case under Section _____ has been instituted in your Court against _____ (a) _____ of the Coast Guard _____ (b) _____. The said (Name & Rank) is at present serving under my command and is liable to be tried under the Coast Guard Act, 1978, for the said offence.

In exercise of powers vested in me under Section 71 of the Coast Guard Act, 1978, I have decided that the said (Name & Rank) shall be tried under the Coast Guard Act, 1978.

Yours faithfully

Director-General/Inspector-General/
Deputy Inspector-General/
Commanding Officer

(a) Name of the accused

(b) Unit of the accused”;

33. After Appendix IV, the following Appendix shall be substituted, namely :—

“APPENDIX IV-A

(See rule 44A)

Form-I

Form for use at summary trials of officers below the rank of Commandant under Section 57A

(where the authority dealing summarily with the case decides with the written consent of the accused to dispense with the attendance of the witnesses)

Rank, Name & Number of the accused : _____

Ship/Establishment : _____

Questions to the accused :

1. Have you received a copy of the charge-sheet and record of evidence ?

ANSWER

2. Have you had sufficient time to prepare your defence ?

ANSWER

The charge-sheet is read over to the accused.

3. Are you guilty or not of the charge(s) against you which have just been read over to you ?

ANSWER

The record of evidence is read over or the authority dealing summarily with the case informs the accused that he has already perused it.

4. Do you wish to make a statement ?

ANSWER

(If the accused desires to make a statement, he should do so now)

If at the conclusion of the hearing the authority dealing summarily with the case considers that the charge should be dismissed, he is to examine the accused's record of service.

If the authority dealing summarily with the case proposes to award a punishment other than mulcts of pay and allowances or severe reprimand, he shall put the following question to the accused :—

5. Do you elect to be tried by a Coast Guard Court or will you accept my award ?

ANSWER

FINDING : _____

AWARD : _____

SHIP/ESTABLISHMENT : _____

DATE : _____

Signature

Form-II

Form for use at summary trials of officers below the rank of Commandant under section 57A

(when the authority dealing summarily with the case does not decide to dispense with the attendance of the witnesses or when the accused requires the attendance)

Rank, Name & Number of the accused : _____

Ship/Establishment : _____

Questions to the accused :

1. Have you received a copy of the charge-sheet and record of evidence ?

ANSWER

2. Have you had sufficient time to prepare your defence ?

ANSWER

The charge-sheet is read.

3. Are you guilty or not of the charge(s) against you which have just been read over to you ?

ANSWER

The witnesses give their evidence, accused be permitted to cross-examine.

4. Do you wish to make a statement ?

ANSWER

If the accused desires to make a statement, he should do so now.

5. Do you desire to call any witnesses ?

ANSWER

The accused makes his statement and his witnesses give evidence.

If at the conclusion of the hearing the authority dealing summarily with the case considers that the charge should not be dismissed, he is to examine the accused's record of service.

1452-211-5-5

If the authority dealing summarily with the case proposes to award a punishment other than mulcts of pay and allowances or severe reprimand, he shall put the following question to the accused :—

6. Do you elect to be tried by a Coast Guard Court or will you accept my award ?

ANSWER

FINDING : _____

AWARD : _____

SHIP/ESTABLISHMENT : _____

DATE : _____

Signature”;

34. After Appendix VII, the following appendix shall be inserted, namely,—

“APPENDIX—VII A

[See Rule 95(2)]

STATEMENT TO CHARACTER AND PARTICULARS OF SERVICE OF THE ACCUSED

Rank, Name and Number _____ of the Coast Guard Station _____.

1. The following is a fair and true summary of the entires in the service book of the accused, exclusive of convictions by a Coast Guard Court or a criminal court and of summary awards under sections 57 or 57A of the Coast Guard Act, 1978.

Within last 12 months	Since joining service
For (a) _____ times	_____ times
For _____ times	_____ times
For _____ times	_____ times

(a) Insert the statement of offence and the relevant section of the Coast Guard Act, 1978

Number of instances of gallantry or distinguished conduct.

Or

There are no entires in the service book of the accused.

2. Irrespective of this trial the accused's general character * is _____
3. The present age of the accused according to his (record of service/enrolment papers) is _____
4. The date of his appointment/enrolment specified in his (record of service/enrolment papers) is _____ and his total service is _____
5. (In the case of an officer) The accused holds the substantive rank of _____ since _____ and acting rank of _____ since _____
6. The accused after joining Coast Guard has served continuously till present date—
 In the rank of _____ for _____ years since _____
 In the rank of _____ for _____ years since _____
 In the rank of _____ for _____ years since _____

*The character assessment of the enrolled persons will be recorded in terms of rule 19 of the Coast Guard (Condition of Service) Rules, 1986.

7. The accused is entitled to reckon _____ years service for the purpose of determining his pension or gratuity.

8. The accused is in possession of the following decorations and rewards _____

9. The accused has been in custody awaiting trial on the present charge(s) for _____ days in civil custody and _____ days in Coast Guard custody, making a total of _____ days of which _____ days were spent in hospital.

10. There are no previous convictions against the accused.

Or

The previous convictions of the accused by a Coast Guard Court and summary awards under sections 57 or 57A of the Coast Guard Act, 1978, are set out in the Schedule annexed to this Statement.

SCHEDULE OF CONVICTIONS BY A COAST GUARD COURT OR CRIMINAL COURT AND OF SUMMARY AWARDS UNDER SECTIONS 57 OR 57A OF THE COAST GUARD ACT, 1978

The accused Rank _____ Name _____ No. _____ of Coast Guard Ship/
Establishment _____

Note :—*Verbatim extract from the service book stating these convictions must be inserted*

Description of Court/ authority awarding punishments summarily	Place and date of trial/summary award	Charge(s) of which convicted	Sentence/Summary award	Remarks
---	--	---------------------------------	---------------------------	---------

I hereby certify that the foregoing schedule of convictions is a true extract from the service records in my custody.

Station _____

Date _____ 20

Commanding Officer.”

[File No. LW/0155/661/US(P)/D(N-II)]

G. S. AUDHKHASI, Under Secy. (Pers)/D(Navy-II)

Note : In the Coast Guard (Discipline) Rules, 1983 published in the Gazette of India vide S.R.O. 46E dated 19th May 1983 in Part II, Section 4 of the Gazette of India and these rules have not been amended so far.